संचय
SANCHAYA
रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

नवम्बर-दिसम्बर 2005 (अंक 152) | November - December 2005 (Issue 152)

28 से 30 सितम्बर 2005 तक लीमा (पेरू) में आयोजित विश्व बचत बैंक संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं12 जेनरल एसेम्बली में भाग लेते हुए भारतीय प्रतिनिधि मंडल का प्रतिनिधित्व करती हुए श्रीमती रंजना कुमार, चेयरपर्सन, नाबार्ड, साथ में श्री. टी. दासरी, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, कोलकाता केन्द्र (बायें) एवं श्री. पी.आर. दास, अपर बजट अधिकारी, वित्त मंत्रालय (आ.का.वि.), भारत सरकार नई दिल्ली।

लीमा (पेरू) में आयोजित विश्व बचत बैंक संस्थान का अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं 12 वीं जेनरल एसेम्बली में भारत ने भाग लिया।

भारतीय प्रतिनिधि मंडल का प्रतिनिधित्व करती हुई श्रीमती रंजना कुमार, चेयरपर्सन, नाबार्ड, मुंबई, श्री.पी. दास, अपर बजट अधिकारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आ.का.वि.) नई दिल्ली एवं श्री.टी. दासरी, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, कोलकाता ने ''सूक्ष्म ऋण में स्थिर बढ़ोत्तरी'' विषय पर एफ.ई.पी.सी.एम.ए.सी. के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार जेनरल एसेम्बली जो 28 से 30 सितम्बर 2005 तक लीमा (पेरू) में आयोजित की गई की, में भाग लिया। भारत के अलावा ब्राजील, बोलिविया, चेक, गणराज्य, जर्मनी, जापान, कीनिया, मलेशिया, नीदरलैंड, ने भी सेमिनार में भाग लिया। श्रीमती रंजना कुमार, चेयरपर्सन, नाबार्ड, ने ''सूक्ष्म वित्त पूर्तिकर्ता की स्थिर वृद्धि'' विषय पर वित्त मंत्रालय की ओर से पेपर प्रस्तुत किया।

मि. क्रिस डी.ई. नूज, चेयरमैन, विश्व बचत बैंक संस्थान प्रबंधन कमिटि ने ''सूक्ष्म ऋण पर स्थिर वृद्धि'' विषय पर प्रतिनिधि मंडल को सम्बोधित किया। डब्ल्यू.एस.आई. के अन्य सदस्य भी इस विषय पर बोले। विश्व बचत बैंक संस्थान के पूरे सत्र के दरम्यान बहुत सारे मुद्दों जैसे ड्राफ्ट एजेन्डा की स्वीकृति, पिछली बैठक की कार्यवृत्ती की स्वीकृति, डब्ल्यू.एस.बी.आई. की नितिगत गतिविधियाँ एवं नए सदस्यों की स्वीकृति उत्पाद पर विचार विमर्श किया गया।

श्री अनिल भट्टाचार्या, संयुक्त राष्ट्रीय बचत आयुक्त एवं विभागाध्ययक्ष राष्ट्रीय बचत संस्थान, चंडीगढ केंद्र द्वारा चंडीगढ में आयोजित स्टेट बैंक के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए। साथ में (बायें से दायें) श्री. एन.एस. नायर, सहायक जनरल मैनेजर, एस.बी.आय. चंडीगढ एवं श्री एम.के. मल्होत्रा, क्षेत्रीय निदेशक, एन.अस.आई. चंडीगढ केन्द्र।

राष्ट्रीय बचत संस्थान चंडीगढ केन्द्र ने अक्टूबर 2005 तक स्टेट बैंक के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान, चंडीगढ केन्द्र ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए – एक 19 अक्टूबर 2005 को स्टेट बैंक में अधिकारियों के लिए ''लोक भविष्य निधि'' एवं ''वरिष्ठ नागरिक बचत योजना'' विषय पर और दूसरी 20 अक्टूबर 2005 को पंचकुला में स्टेट बैंक के अधिकारियों के लिए उसी विषय पर। उसमें 125 अधिकारियों ने भाग लिया जो स्टेट बैंक, पटियाला एवं भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ प्रॅबंधन स्तर मे के – जैसे – डिपुटी जेनरल मैनेजर, सहायाय जेनरल मैनेजर, वरिष्ठ मैनेजर एवं शाखा प्रबंधक जो विभिन्न राज्यों से आए हुए थे, जैसे – पंजाब, हरियाणा, जम्मू काश्मीर, संघ राज्य चंडीगढ एवं हिमाचल प्रदेश।

श्री अनिल भट्टाचार्या, विभागाध्यक्ष, श्री दीपक वर्मा क्षेत्रीय निदेशक (मुख्यालय) एवं श्री एम.के. मल्होत्रा, क्षेत्रीय, निदेशक, एन.एस.आई. चंडीगढ, द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य विषय थे – बाजार व्यूह रचना, ग्राहक के साथ व्यवहार, ग्राहक की शिकायत से दूर रहना एवं ग्राहक की आकांक्षाओं को पूरा करना। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दरम्यान दो उत्पादों – लोक भविष्य निधि एवं वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। विशेषकर ग्राहक के प्रकार, नियम–कानून इन दो उत्पादों से संबंधित, गबन होने के मामलो में बैंकों द्वारा एवं निदेशकों द्वारा क्या उपाय किया जाना चाहिए इत्यादि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सहभागियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे मे उनसे विचार पूछे गए, इस पर सबों ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए बहुत ही लाभदायक रहा और एन.एस.आई. ने जो सामग्रियाँ उन्हे प्रदान की उससे उनके ज्ञान एवं उत्पादों के विपणन कला को बढाने में बहुत मदद मिलेगी।

श्री पी.वी. चाथुकुट्टी, तालीपरम्बा, पंचायत प्रखंड अध्यक्ष, क्षेत्रीय निदेशक, एन.एस.आई. चेन्नई केन्द्र द्वारा पंचायत यूनियन कार्यालय, तालीपरम्बा (केरल) में आयोजित अभिकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दरम्यान महिला प्रधान क्षेत्रीय बचत योजना अभिकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए। साथ में (बायें से दायें) श्री के. कुन्दीकन्नन, उप क्षेत्रीय निदेशक, श्री. पी. वी. जोसेफ, बी.डी.ओ., तालीपरम्बा, श्री से.वी. राघवन, उप निदेशक, राष्ट्रीय बचत, केरल सरकार, कन्नूर एवं श्री.पी. शनमुगम, उप निदेशक, एन.ए.आई. चेन्नई केन्द्र।

श्रीमती सरोज विनायक, सीनियर प्रिंसिपल निदेशक, राष्ट्रीय अकादमी रक्षा उत्पादन, 7 से 8 नवम्बर 2005 तक राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा आयोजित उप निदेशकों एवं सहायक निदेशकों के लिए ''बाजार अनुसंधान विषयपर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सहभागियों को सम्बोधित करते हुए। साथ में (बायें से दायें) श्री अनिल भट्टाचार्या, विभागाध्यक्ष एवं श्री एस.के. त्रिपाठी, उप राष्ट्रीय बचत आयुक्त।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने ''बाजार अनुसंधान'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने 7 से 8 नवम्बर 2005 तक नागपुर में ''बाजार अनुसंधान'' विषय पर उप निदेशकों एवं सहायक निदेशकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य था कि सहभागी बाजार अनुसंधान के बारे में जानें एवं इसक तकनीको को उपयोग मे लायें, इसके विभिन्न तरीकों को समझें जिससे कि वत्त मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय उत्पादों के खाकों एव उसे विकसित मानने मे समक्ष हों।

श्रीमती सरोज विनायक, सीनियर प्रिंसिपल निदेशक, एन.ए.डी.पी., नागपुर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए इस बात पर बल दिया कि एन.एस.आई. के लिए बाजार अनुसंधान करने की आवश्यकता है क्योंकि एन.एस.आई. को प्रतिस्पर्धात्मक वित्तीय बाजार मे काम करना है। श्री अनिल भट्टाचार्या ने अपने सम्बोधन मे कहा कि प्रस्तावित बाजार अनुसंधान से एन.एस.आई. को मदद मिलेगी और इससे ग्राहक की जरूरतें एवं उनकी आकांक्षाओं को राष्ट्रीय बचत उत्पादों के संदर्भ मे जाननें का मौका मिलेगा और इससे बाजार हिस्से के बढोत्तरी मे एन.एस.आई. को मदद मिलेगी। उन्होने आशा व्यक्त कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दरम्यान जो सामग्रियाँ सहभागियों को मिलेगी उससे उन्हे व्यवस्थित रूप से बाजार अनुसंधान में मदद मिलेगी।

एन.एस.आई. के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रबंधन विद्यालय, नागपुर के अतिथि फैकल्टी द्वारा विभिन्न विषयों जैसे बाजार विचार धारणा इसके महत्त्व एवं इसकी अनुकूलता, द्वारा संग्रहण के तरीके, बाजार अनुसंधान के लिए नमुना तकनीकी, नमूने की गलतियों को कम करने के तरीके, बाजार अनुसंधान अभ्यास एन.एस.आई. द्वारा इत्यादि। अन्त में सहभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में उनके विचार पूछे गए जिससे कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव में और वृद्धि की जा सके। सभी सहभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से बाजार अनुसंधान करने के लिए उन्हे परिज्ञान मिला है।

श्री एच.एन. बोरा, उपायुक्त, डिब्रुगढ़ अल्प बचत अभिकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जो क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, गुवाहाटी केन्द्र एवं निदेशक, अल्प बचत, असम सरकार के संयुक्त तत्वावधान में डिब्रुगढ़ में आयोजित किया। साथ में (बायें से दायें) श्री एम.सी. गोगई, अपर उपायुक्त डिब्रुगढ, श्री.आर.एन. मुखर्जी, उप निदेशक, एन.एस.आई., गुवाहाटी केन्द्र एवं श्री ए.सी.बोरा, अधिक्षक, डाकघर, डिब्रुगढ।

अप्रैल 2005 से सितम्बर 2005 तक अल्प बचत संग्रहण

(करोड रुपये)

अनु. क्र.	क्षेत्र / राज्य	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
		सितम्बर 2004 तक		सितम्बर 2005 तक	
1.	आंध्र प्रदेश	4531.85	2404.55	5157.55	2214.56
2.	अरूणाचल प्रदेश	28,54	14,81	34.76	16.57
3.	असम	1174.44	418.66	1971.67	87.97
4.	अंदमान निकोबार द्वीप	11.69	4.28	15.52	7.45
5.	आर्मी पोस्ट ऑफीसेस	286.90	198.02	157.72	44.12
6.	बिहार	2525.34	1110.88	3047.81	1168.41
7.	झारखंड	1236.14	743.07	1476.36	701.41
8.	चंडीगढ	217.99	76.78	289.80	53.20
9.	दमण एवं दीव	15.63	10.73	19.61	8.49
10.	दिल्ली	4476.17	2690.71	3810.60	1747.66
11.	गोवा	285.83	183.54	396.23	273.30
12.	गुजरात	7618.03	4231.78	8318.93	3546.63
13.	हरियाणा	2323.53	970.17	2567.76	780.45
14.	हिमाचल प्रदेश	954.89	408.58	1211.48	398.42
15.	जम्मू व कश्मीर	648.33	275.74	802.87	279.09
16.	कर्नाटक	3556.23	1791.04	3998.52	1668.01
17.	केरल	2732.13	1421.52	2936.21	1236.38
18.	लक्षद्वीप	0.70	0.42	0.70	0.32
19.	मध्य प्रदेश	2189.18	1063.59	2638.31	1041.03
20.	छत्तीसगढ	739.74	404.83	820.14	393.56
21.	महाराष्ट्र	9441.86	5488.72	9917.98	4650.93
22.	मणिपुर	37.67	10.68	39.70	8.79
23.	मेघालय	72.94	23.30	83.67	23.43
24.	मिझोरम	39.78	16.74	50.84	15.21
25.	नागालैंड	21.51	11.75	21.00	8.63
26.	उडीसा	1264.38	615.07	1475.63	612.42
27.	पांडीचेरी	41.72	13.13	55.46	18.09
28.	पंजाब	4191..24	1693.04	4634.67	1329.51
29.	राजस्थान	4114.53	2217.18	4163.88	1484.56
30.	सिक्कीम	28.63	8.74	37.54	8.99
31.	तमिलनाडू	4890.74	2612.34	5682.58	2588.27
32.	त्रिपूरा	184.99	81.67	228.20	93.84
33.	उत्तर प्रदेश	6969.45	3034.75	8585.86	3108.96
34.	उत्तरांचल	973.72	456.300	1136.66	436.93
35.	पश्चिम बंगाल	8919.72	4666.81	10805.80	4924.58
	कुल	**76746.18**	**39373.92**	**85692.01**	**34980.15**

टिप्पणी डाक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त आंकडे सामन्जस्य अधीन है। इन आंकडों में पी.पी.एफ. (बैंक) संग्रहण शामिल नहीं हैं।

SHIVRAJ (D.C